

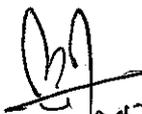
**RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY  
ALWAR (RAJASTHAN)**

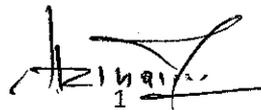
**SYLLABUS**

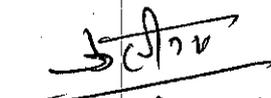
**B.A. SANSKRIT**

(Semester Scheme)

I To II Semester – 2023-2024

  
डॉ. ललित शर्मा

  
1

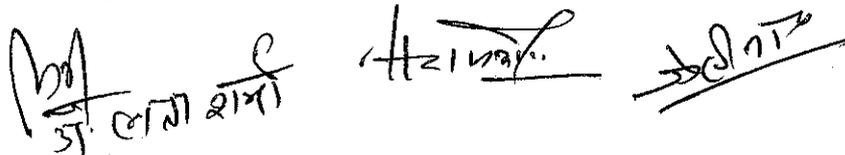
  
डॉ. जे. सी. नारायण  
28/9/23

## SCHEME OF EXAMINATION

"Scheme of examination for end of semester examination applicable to all undergraduate courses (Pass course).

The question paper of semester Examination for the Disciplinary Centric Core Course (DCCC), Discipline specific elective (DSE), Ability Enhancement Course (AEC), Value Added Course (VAC) and skill Enhancement Course (SEC) will be of 70 marks and it will be divided in two parts i.e. Part A and Part-B. Part-A will consist of 10 compulsory questions. There will be at least two questions from each unit and answer to each question shall be limited upto 50 words. Each question will carry two marks. Total 20 Marks.

Part-B will consist of 10 questions. Atleast two questions from each unit be set and student will have to answer five question, selecting atleast one question from each unit. The answer to each question shall be limited to 400 words. Each question carries 10 Marks. Total 50 Marks.



RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2023-24

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – I

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
I	I	DCCC	Sans	काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्व, व्याकरण एवं इतिहास।	Theory	06	70+30	06

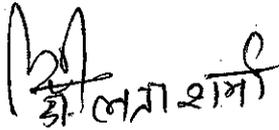
RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

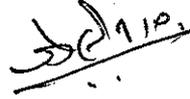
2023-24

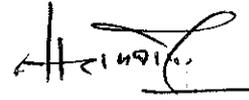
U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – II

Year	Sem.	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
I	II	DCCC	Sans	काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्व, व्याकरण एवं इतिहास।	Theory	06	70+30	06

  
डॉ. ललिता शर्मा





बी.ए. संस्कृत – प्रथम वर्ष (2023–2024)

सेमेस्टर –I

Course Code : Sans

( काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्व, व्याकरण एवं इतिहास)

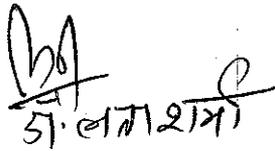
प्रथम सेमेस्टर में परीक्षा कुल 100 अङ्कों की होगी।

इसमें प्रायोगिक परीक्षा 20 अङ्क एवं मौखिकी परीक्षा 10 अङ्कों की होगी।

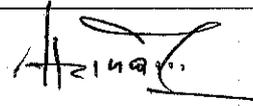
लिखित परीक्षा 70 अङ्कों की तथा समयावधि 3 घण्टे की होगी।

( काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्व, व्याकरण एवं इतिहास)

इकाई	विषय	अङ्क
I	स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृतम्) – सम्पूर्णम्	14 अङ्क (10+4)
II	रघुवंशम्(प्रथम सर्ग)– कालिदास	14 अङ्क (10+4)
III	(क) भारतीय संस्कृति के तत्व– (i) विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ । (ii) वर्ण एवं आश्रम–व्यवस्था। (iii) पंच–महायज्ञ, ऋण–त्रय। (ख) अनुवाद– संस्कृत से हिन्दी में।	14 अङ्क (10+4)
IV	व्याकरण (क) संज्ञा प्रकरण (ख) अच् सन्धि प्रकरण (ग) भू धातु रूप (दस लकार)	14 अङ्क (10+4)
V	(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास– उपजीव्य महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) (ख) शब्द रूप– राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, मति, नदी।	14 अङ्क (10+4)

  
J. Lal Sharma

  
J. Lal Sharma

  
J. Lal Sharma

परीक्षा योजना— (EOSE प्रारूप)

समयावधि — 3 घण्टे पूर्णाङ्क— 70

खण्ड —“अ” (20 अङ्क)

दश — लघूत्तरात्मक — प्रश्नों का निर्माण  $10 \times 02 = 20$  अङ्क ।  
( पाचों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)

नोट:— सभी प्रश्न करने अनिवार्य है तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में देय होगा ।

खण्ड: —“ब” (50 अङ्क)

प्रत्येक इकाई—10 अङ्क ।

इकाई—प्रथम : स्वप्नवासवदत्तम्

(i) एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या—  $01 \times 06 = 06$  अङ्क ।

(ii) नाटक अथवा कवि से सम्बद्ध 1 प्रश्न—  $01 \times 04 = 04$  अङ्क ।

इकाई—द्वितीय: रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)—

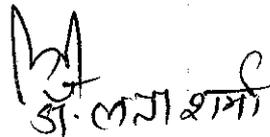
(i) एक श्लोक की सप्रसङ्ग—व्याख्या  $01 \times 06 = 06$  अङ्क ।

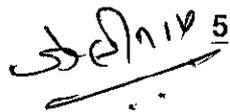
(ii) काव्य अथवा कवि से सम्बद्ध 1 प्रश्न—  $01 \times 04 = 04$  अङ्क ।

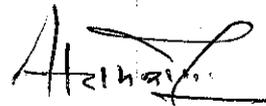
इकाई—तृतीय:

(i) भारतीय संस्कृति के प्रदत्त विषयों में से 1 निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 2 टिप्पणियाँ  
 $01 \times 07 = 07$  अङ्क ।

(ii) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद :  $01 \times 03 = 03$  अङ्क ।

  
डॉ. मनीष शर्मा

  
5



### इकाई—चतुर्थ

(क) संज्ञा प्रकरण — एक सूत्र की व्याख्या — 03 अङ्क ।

(ख) अच् सन्धि प्रकरण — एक सूत्र की व्याख्या एवं एक रूप सिद्धि—  $2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 05$  अङ्क ।

(ग) भू धातु रूप (दस लकार)— 02 अङ्क ।

### इकाई—पंचम

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास के प्रदत्त विषयों पर एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियां — 07 अङ्क ।

(ii) शब्द रूप — किन्ही तीन पदों का रूप — 03 अङ्क ।

### खण्ड —ब प्रारूप (उपर्युक्त पांचों इकाईयों के आधार पर )

पूर्णाङ्क— 30

(i) परियोजना / प्रोजेक्ट — 20 अङ्क (संस्कृत—माध्यमेन) ।

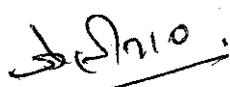
(ii) मौखिकी परीक्षा — 10 अङ्क ।

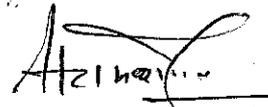
नोट: विद्यार्थी को **External Theory Paper (EOSE)** — 70 अंक तथा **Internal Continuous Assessment (CA)** — 30 अंक में पृथक्—पृथक् उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।

### संदर्भ—ग्रन्थ—सूची/सहायक पुस्तकें —

1. स्वप्नवासवदत्तम् — डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. स्वप्नवासवदत्तम् — डा. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
3. रघुवंश महाकाव्यम् — डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय (प्रथम सर्गः)
4. रघुवंशम् — डा. कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. भारतीय संस्कृति — शिवदत्त ज्ञानी
6. भारतीय संस्कृति — बाबूराम त्रिपाठी
7. भारतीय संस्कृति के तत्त्व — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
8. भारत की प्राचीन संस्कृति — डॉ. रामजी उपाध्याय
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी — डॉ. अर्कनाथ चौधरी
10. लघुसिद्धान्त कौमुदी — डॉ. श्रद्धा सिंह
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी — डॉ. श्री किशन शर्मा
12. संस्कृत व्याकरण — श्रीनिवास शास्त्री
13. रचनानुवाद कौमुदी — डॉ. कपिलदेव शास्त्री
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. पुष्करदत्त शर्मा
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. बलदेव उपाध्याय
18. संस्कृत साहित्य का इतिहास— मंगलदेव शास्त्री

  
श्रीनिवास शास्त्री

  
श्रीनिवास शास्त्री

  
श्रीनिवास शास्त्री

बी.ए. संस्कृत –प्रथम वर्ष (2023–2024)

सेमेस्टर–II

Course Code : Sans

काव्य, व्याकरण, भारतीय संस्कृति के तत्व, एवं इतिहास।

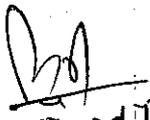
द्वितीय सेमेस्टर में परीक्षा कुल 100 अङ्कों की होगी।

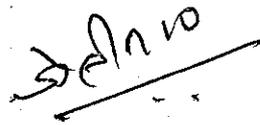
इसमें प्रायोगिक परीक्षा 20 अङ्क एवं मौखिकी परीक्षा 10 अङ्कों की होगी।

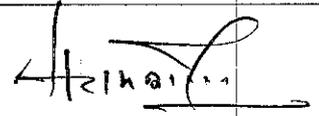
लिखित परीक्षा 70 अङ्कों की तथा समयवधि 3 घण्टे की होगी।

( काव्य, व्याकरण, भारतीय संस्कृति के तत्व एवं इतिहास)

इकाई	विषय	अङ्क
I	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – भारवि	14 अङ्क (10+4)
II	नीतिशतकम्– भर्तृहरि	14 अङ्क (10+4)
III	व्याकरण (क) हल् सन्धि प्रकरण (ख) विसर्ग सन्धि प्रकरण (ग) शब्द रूप– वारि,ज्ञान,इदम्(तीनों रूप),अदस्	14 अङ्क (10+4)
IV	(क) धातु रूप– एध् (दस लकार) (ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास– पुराण	14 अङ्क (10+4)
V	(क) भारतीय संस्कृति के तत्व– (i) भारतीय दर्शन– परिचयात्मक अध्ययन (ii) प्राचीन शिक्षा प्रणाली (सातवीं शदी तक ) (iii) भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान (ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	14 अङ्क (10+4)

  
डा. ललिता शर्मा

  
डा. ललिता शर्मा

  
डा. ललिता शर्मा

## परीक्षा योजना— (EOSE प्रारूप)

समयावधि — 3 घण्टे पूर्णाङ्क— 70

खण्ड —“अ” (20 अङ्क)

दश — लघूत्तरात्मक — प्रश्नों का निर्माण  $10 \times 02 = 20$  अङ्क  
( पाचों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न )

नोट:— सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में देय होगा।

खण्ड: —“ब” (50 अङ्क)

प्रत्येक इकाई—10 अङ्क।

इकाई—प्रथम : किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

- (i) एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या—  $01 \times 06 = 06$  अङ्क।
- (ii) काव्य अथवा कवि से सम्बद्ध 1 प्रश्न—  $01 \times 04 = 04$  अङ्क।

इकाई—द्वितीय: नीतिशतकम् —

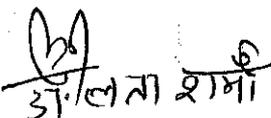
- (i) एक श्लोक की सप्रसङ्ग—व्याख्या  $01 \times 06 = 06$  अङ्क ।
- (ii) काव्य अथवा कवि से सम्बद्ध 1 प्रश्न—  $01 \times 04 = 04$  अङ्क।

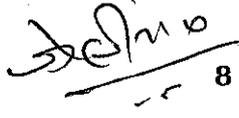
इकाई—तृतीय: व्याकरण

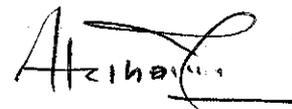
- (i) हल् सन्धि प्रकरण : एक सूत्र की व्याख्या व एक पद की सिद्धि :  $02 \times 02 = 04$  अङ्क ।
- (ii) विसर्ग सन्धि प्रकरण : एक सूत्र की व्याख्या व एक पद की सिद्धि  $02 \times 02 = 04$  अङ्क।
- (iii) शब्द रूप — किसी भी एक पद का रूप — 02 अङ्क।

इकाई—चतुर्थ

- (i) धातु रूप — 10 लकारों में से किन्हीं 3 का रूप पूछने पर— 03 अङ्क ।
- (ii) पुराण परिशीलन : काल, विषयवस्तु, आदि पर एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियां— 07 अङ्क ।

  
अनिल शर्मा

  
अनिल शर्मा

  
अनिल शर्मा

## इकाई—पंचम

- (i) भारतीय संस्कृति के प्रदत्त विषयों पर एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियां —07 अङ्क ।
- (ii) हिन्दी से संस्कृत में वाक्यों का अनुवाद — 03 अङ्क ।

## ब प्रारूप (उपर्युक्त पांचों इकाईयों के आधार पर )

पूर्णाङ्क— 30

(i) परियोजना/प्रोजेक्ट — 20 अङ्क (संस्कृत—माध्यमेन)

(ii) मौखिकी परीक्षा — 10 अङ्क

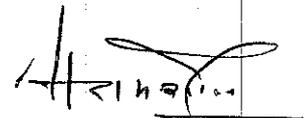
नोट: विद्यार्थी को **External Theory Paper (EOSE)** — 70 अंक तथा **Internal Continuous Assessment (CA)** — 30 अंक में पृथक्-पृथक् उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सहायक पुस्तकें :-

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग ) आचार्य नवलकिशोर कांकर, विद्या भवन, जयपुर
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग ) डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग ) डॉ. सुभाष वेदालंकार— अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
4. नीतिशतकम् — डॉ गोपाल शर्मा , हंसा प्रकाशन , जयपुर।
5. नीतिशतकम् — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राज प्रकाशन मन्दिर, जयपुर।
6. नीतिशतकम् — डॉ. सुभाष वेदालंकार— अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
7. भारतीय संस्कृति के तत्त्व — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
8. भारत की प्राचीन संस्कृति — डॉ. रामजी उपाध्याय
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी — डॉ. अर्कनाथ चौधरी
10. लघुसिद्धान्त कौमुदी — डॉ. श्रद्धा सिंह
11. संस्कृत व्याकरण — श्रीनिवास शास्त्री
12. रचनानुवाद कौमुदी — डॉ, कपिलदेव शास्त्री
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ, पुष्करदत्त शर्मा
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ, बलदेव उपाध्याय
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास— मंगलदेव शास्त्री

  
डॉ. ललिता शर्मा

  
- 8

  
डॉ. मंगलदेव शर्मा

**RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY  
ALWAR (RAJASTHAN)**

**SYLLABUS**

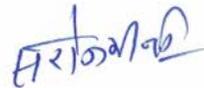
**B.A. SANSKRIT**

**(Semester Scheme)**

**III To IV Semester – 2024-2025**

1







RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – III

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
II	III	DCCC	Sans	नाटक , छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	06	120+30	06

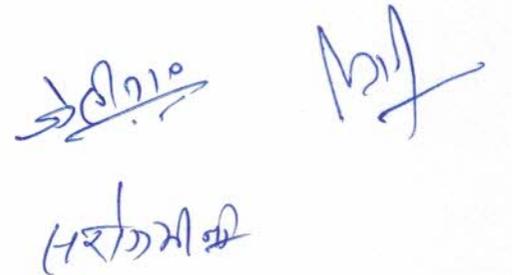
RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – IV

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
II	IV	DCCC	Sans	वैदिक साहित्य , गद्य साहित्य एवं व्याकरण	Theory	06	120+30	06



बी.ए. संस्कृत –द्वितीयवर्ष (2024–2025)

सेमेस्टर–III

Course Code : Sans

(नाटक ,छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास ।)

तृतीय सेमेस्टर में परीक्षा कुल 150 अङ्कों की होगी।  
इसमें आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा 30 अङ्कों की होगी।  
लिखित परीक्षा 120 अङ्कों की तथा समयावधि 3 घण्टे की होगी।  
संस्कृत माध्यम से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में ही देय होगा।

(नाटक ,छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास ।)

इकाई	विषय	अङ्क
I	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासकृतम्) –सम्पूर्णम्	40 अङ्क
II	छन्द एवं अलंकार (i)छन्द– निम्नलिखित छन्दों का लक्षण व उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मालिनी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा,मन्दाक्रान्ता, हरिणी, भुजंगप्रयात्, प्रहर्षिणी, रथोद्धता। (ii)अलंकार–(काव्यदीपिका–अष्टमशिखा) निम्नलिखित अलंकारों का लक्षण व उदाहरण– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक,उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, दीपक, सन्देह।	30 अङ्क
III	संस्कृत साहित्य का इतिहास– महाकाव्य, नाटक ,गीतिकाव्य,गद्यकाव्य एवं पुराण । (i) महाकाव्य–कालिदास, अश्वघोष, भारवि, तथा माघ के महाकाव्य। (ii) नाटक–भास, कालिदास, भवभूति, विशाखदत्त, भट्टनारायण के नाटक। (iii) गीतिकाव्य–कालिदास, भर्तृहरि, पण्डितराज जगन्नाथ के गीतिकाव्य। (iv) गद्यकाव्य–दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्तव्यास के गद्यकाव्य। (v) पुराण–पुराणों का सामान्य परिचय और महत्व।	30 अङ्क
IV	अनुवाद– (1) हिन्दी से संस्कृत। (2) संस्कृत से हिन्दी।	20अङ्क

विस्तृत अंक-विभाजन

क्र.सं.	नामपुस्तक	लघूत्तरात्मकप्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न	अंक	योग
1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	05(लघूत्तरात्मक)	10	03 (i)दोपद्यों की हिन्दी में व्याख्या (ii)एक पद्य की संस्कृत में व्याख्या। (iii)एक निबन्धात्मक प्रश्न	6+6=12 1X8=08 1X10=10	10+12+08+10=40
2.	छन्द अलंकार	03(लघूत्तरात्मक) 03(लघूत्तरात्मक)	06 06	(i)तीन छन्दों के लक्षण व उदाहरण (ii)तीन अलंकारों के लक्षण व उदाहरण	3 x3=9 3 x3=9	06+09=15 06+09=15
3.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	05(लघूत्तरात्मक)	10	(i) एक निबन्धात्मक प्रश्न (ii)दो टप्पणियां	1X10=10 2 x5=10	10+10+10=30
4.	अनुवाद-	02(संस्कृत से हिन्दी)	04	(i)आठ वाक्यों का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	8x2=16	4+16=20
		18	36		84	120

*Handwritten signature*

*Handwritten signature*  
श्री १०१०  
श्री १०१०

परीक्षा योजना- (EOSE प्रारूप)

समयावधि - 3 घण्टे पूर्णाङ्क- 120

**खण्ड-"अ" (36 अङ्क)**

18 लघूत्तरात्मक-प्रश्नों का निर्माण  $18 \times 02 = 36$  अङ्क।  
(पाचों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से प्रश्न)

नोट:-सभी प्रश्न करने अनिवार्य है तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देय होगा।

**खण्ड: -"ब" (84 अङ्क)**

इकाई-प्रथम : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासकृतम्) -सम्पूर्णम्।

- (i) प्रथम से चतुर्थ अंको में से चार श्लोको में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या-  $02 \times 06 = 12$  अङ्क।
- (ii) पंचम स सप्तम अंको में से दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या संस्कृत माध्यम से करना अनिवार्य है-  $01 \times 08 = 08$  अङ्क।
- (iii) नाटक अथवा कवि से सम्बद्ध दो विवेचनात्मक प्रश्नों में से एक का उत्तर देय है-  $01 \times 10 = 10$  अङ्क।

इकाई-द्वितीय:-छन्द एवं अलंकार।

- (i) छन्द--पांच छन्दों में से किन्हीं तीन छन्दों के लक्षण और उदाहरण-  $03 \times 03 = 09$  अङ्क।
- (ii) अलंकार-पांच अलंकारों में से किन्हीं तीन अलंकारों के लक्षण और उदाहरण-  $03 \times 03 = 09$  अङ्क।

इकाई-तृतीय:-संस्कृत साहित्य का इतिहास

- (i) दो विवेचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।  $01 \times 10 = 10$  अङ्क।
- (ii) चार में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी अपेक्षित है।  $05 \times 05 = 10$  अङ्क।

इकाई-चतुर्थ:-अनुवाद

- (i) 15 वाक्यों में से किन्हीं आठ वाक्यों का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद अपेक्षित है।  $08 \times 02 = 16$  अङ्क।

खण्ड-ब प्रारूप आन्तरिक / सतत मूल्यांकन  
(उपर्युक्त पाचों इकाईयों के आधार पर)

पूर्णाङ्क- 30

(i) कक्षा में उपस्थिति- 05 अङ्क।

(ii) कक्षा में प्रदर्शन- 05 अङ्क।

(iii) पाठ्यचर्या आधारित टर्म पेपर / मिड टर्म टेस्ट- 10 अङ्क।

(iv) पाठ्यचर्या आधारित सेमिनार / परियोजना कार्य-10 अङ्क।

नोट: विद्यार्थीको **External Theory Paper (EOSE)**-120 अंक तथा **Internal Continuous Assessment (CA)**-30 अंक में पृथक्-पृथक् उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

**संदर्भ-ग्रन्थ-सूची/सहायक पुस्तकें-**

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् -डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् -जगदीशप्रसाद शर्मा, रचना प्रकाशन, जयपुर
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् -सुबोध चन्द्र पंत-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्-साहित्य भण्डार, मेरठ
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् -जगदीशलाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. काव्यदीपिका-परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
7. रचनानुवादकौमुदी-डॉ. कपिलदेव शास्त्री
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास-डॉ. पुष्करदत्त शर्मा, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास-डॉ. बलदेव उपाध्याय
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास-मंगलदेव शास्त्री चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास-ए.बी. कीथ अनु. मंगलदेव शास्त्री, दिल्ली।
12. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामजी उपाध्याय, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद।

**RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY  
ALWAR (RAJASTHAN)**

**SYLLABUS**

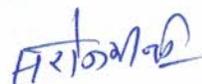
**B.A. SANSKRIT**

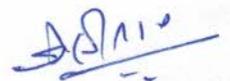
**(Semester Scheme)**

**III To IV Semester – 2024-2025**

1







RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – III

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
II	III	DCCC	Sans	नाटक , छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	06	120+30	06

RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – IV

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/CA	Lecture Per Week
II	IV	DCCC	Sans	वैदिक साहित्य , गद्य साहित्य एवं व्याकरण	Theory	06	120+30	06

*(Handwritten signatures and text)*  
हरिकृष्ण  
M.A.

बी.ए. संस्कृत –प्रथमवर्ष (2024–2025)

सेमेस्टर–IV

Course Code : Sans

वैदिक साहित्य , गद्य साहित्य एवं व्याकरण

द्वितीय सेमेस्टर में परीक्षा कुल 150 अङ्कों की होगी।

इसमें आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा 30 अङ्कों की होगी।

लिखित परीक्षा 120 अङ्कों की तथा समयावधि 3 घण्टे की होगी।

संस्कृत माध्यम से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में ही देय होगा।

इकाई	विषय	अङ्क
I	वैदिक साहित्य— (i) ऋग्वेद के निम्न सूक्तों का अध्ययन— अग्निसूक्त(1/1) वरुणसूक्त(1/25) इन्द्रसूक्त(2/12), क्षेत्रपतिसूक्त(4/57), विश्वेदेवासूक्त(8/58), प्रजापतिसूक्त(10/121), संज्ञानसूक्त(10/191), (ii) ईशावास्योपनिषद्	30 अङ्क(20+10)  20 अङ्क 20 अङ्क
II	गद्य साहित्य— शुकनासोपदेश(कादम्बरी)	30 अङ्क
III	वैदिक साहित्य का इतिहास— (i) संहिता—रचनाकाल, परिचय, स्वरूप, विषयवस्तु, महत्व । (ii) ब्राह्मण साहित्य—स्वरूप, विषयवस्तु, महत्व । (ऐतरेय, शतपथ, छान्दोग्य, गोपथ ब्राह्मण) (iii) वेदाङ्ग —परिचय, स्वरूप, विषयवस्तु, महत्व ।	30 अङ्क (10+10+10)  10 अङ्क 10 अङ्क 10 अङ्क
IV	व्याकरण (i) अजन्तप्रकरण— निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त सूत्रों की व्याख्या —राम, सर्व, हरि, गुरु, रमा, मति, नदी, ज्ञान । (ii) हलन्तप्रकरण— निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त सूत्रों की व्याख्या —राजन्, भवत्, विद्वस्, युष्मद्, अस्मद्, चतुर ।	30 अङ्क (15+15)  15 अङ्क  15 अङ्क

विस्तृत अंक-विभाजन

क्र.सं.	नामपुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न	अंक	योग
1.	ऋग्वेद ईशावास्योपनिषद्	02(लघूत्तरात्मक)	04	(i)दो मन्त्रों की हिन्दी में व्याख्या (ii)एक देवता का स्वरूप/चरित्र-चित्रण	2 x 5=10 1x6=06	04+10+06=20
2.	शुकनासोपदेश	04(लघूत्तरात्मक)	08	(i)एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या (ii)दो गद्यांशों का सप्रसंग अनुवाद (iii)एक प्रश्न का संस्कृत में उत्तर	1x06=06 2x7=14 1 x8=08	04+06=10 08+14+08=30
3.	वैदिकसाहित्य का इतिहास (i)संहिता (ii)ब्राह्मण (iii)वेदाङ्ग	उस इकाई के सभी लघूत्तरात्मक प्रश्न संस्कृत माध्यम से पूछे जायेंगे। 02(लघूत्तरात्मक) 02(लघूत्तरात्मक) 01(लघूत्तरात्मक)	04 04 02	(i) एक निबन्धात्मक प्रश्न (ii) एक निबन्धात्मक प्रश्न (iii)दो टिप्पणियां	1x6=06 1x6=06 2x4=08	10+10+10=30
4.	व्याकरण— (i)अजन्त प्रकरण (ii)हलन्त प्रकरण	02(लघूत्तरात्मक) 03(लघूत्तरात्मक)	04 06	(i)तीन पदों की रूप सिद्धि (ii)दो पदों की रूप सिद्धि	3x4=12 2x4=8	4+12=16 06+08=14
		18	36		84	120

परीक्षा योजना- (EOSEप्रारूप)

समयावधि - 3 घण्टे पूर्णाङ्क- 120

खण्ड-"अ" (36 अङ्क)

अठारह-लघूत्तरात्मक-प्रश्नोंकानिर्माण  $18 \times 02 = 36$  अङ्क ।

(पाचों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से प्रश्न)

नोट:-

(i) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं।

(ii) तृतीय इकाई के लघूत्तरात्मक प्रश्न संस्कृतमाध्यम से बनाए जायेंगे तथा उनका उत्तर संस्कृत भाषा में देय होगा।

खण्ड: - "ब" (84 अङ्क)

इकाई-प्रथम : वैदिक साहित्य

(क) ऋग्वेद

- (i) ऋग्वेद के चार मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसङ्ग व्याख्या-02 x 05=10अङ्क।  
(ii) देवताओं के स्वरूप/चरित्र-चित्रण से सम्बन्धित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न-01x06= 06अङ्क।

(ख) ईशावास्योपनिषद्

- (i) दो मन्त्रों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसङ्ग संस्कृत में व्याख्या-01 x 06 = 06 अङ्क।

इकाई-द्वितीय:शुकनासोपदेश-

- (i) चार गद्यांशों में से किन्हीं दो का सप्रसङ्ग अनुवाद-02 x 07=14अङ्क।  
(ii) दो विवेचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संस्कृत में उत्तर- 01x08 = 08 अङ्क।

इकाई-तृतीय:वैदिक साहित्य का इतिहास

- (i) संहिता में दोनिबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर-01x06= 06 अङ्क।  
(ii) ब्राह्मण साहित्य में दो निबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर-01x06= 06 अङ्क।  
(iii)वेदाङ्ग साहित्य में चार टिप्पणियों में से किन्हीं दो का उत्तर-02 x 04= 08 अङ्क।

इकाई-चतुर्थ: व्याकरण-

- (i) अजन्तप्रकरण के छः पदों में से किन्हीं तीन पदों की रूपसिद्धि -03 x 04= 12अङ्क।  
(ii)हलन्तप्रकरण के छः पदों में से किन्हीं तीन पदों की रूपसिद्धि -03 x 04= 12अङ्क।

खण्ड-ब प्रारूप आन्तरिक / सतत मूल्यांकन

(उपर्युक्त पाचों इकाईयों के आधार पर)

पूर्णाङ्क- 30

- (i) कक्षा में उपस्थिति- 05 अङ्क।  
(ii)कक्षा में प्रदर्शन- 05 अङ्क।  
(iii)पाठ्यचर्या आधारित टर्म पेपर / मिड टर्म टेस्ट- 10 अङ्क।  
(iv)पाठ्यचर्या आधारित सेमिनार / परियोजना कार्य-10 अङ्क।

अधीन  
अधीन

MJ

नोट: विद्यार्थी को External Theory Paper (EOSE)-120अंक तथा Internal Continuous Assessment (CA)-30 अंक में पृथक्-पृथक् उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सहायक पुस्तकें :-

1. वैदिक सूक्त मुक्तावलि-डॉ. सुधीरकुमार गुप्त, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2. ऋग्वेद सूक्त मंजरी-डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
3. ऋग्वेद संहिता- एफ. मैक्समूलर, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
4. ऋग्वेद संहिता-डॉ. शारदाचतुर्वेदी, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
5. ऋग्वेद संहिता- वी.के.शर्मा, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
6. ईशावास्योपनिषद्-श्रीशंकराचार्य-गीताप्रे सगोरखपुर।
7. ईशावास्योपनिषद्-दीपक कुमार, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. ईशावास्योपनिषद्-हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. ईशावास्योपनिषद्-विष्णु वामन शास्त्री, रामकृष्ण मठ, नागपुर।
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी-डॉ. अर्कनाथ चौधरी
11. वैदिक साहित्य और संस्कृति-डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास-रघुवीर वेदालंकार चौखम्भा ओरण्टलिया, दिल्ली।
13. वैदिक साहित्य का इतिहास-देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी-डॉ. श्रद्धा सिंह
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी-डॉ. भीमसेन शास्त्री।
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी-डॉ. डॉ. अर्कनाथ चौधरी।

सुधीरकुमार गुप्त  
हंसा प्रकाशन